

लक्ष्य प्राप्ति के लिए समय प्रबंधन जरूरी

संवाद सहयोगी, सरिया (शिरिडीह) : सरिया कॉलेज के वाणिज्य विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को समय प्रबंधन विषय पर राष्ट्र स्तरीय बेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. प्रो. अमर कुमार चौधरी ने कहा कि हमारे जीवन का मुख्य मंत्र समय का सही प्रबंधन होना चाहिए। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समय का प्रबंधन करना आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले उद्देश्य का निर्धारण करना होगा। इसके लिए योजना बनानी होगी और अंत में इस कार्य में आने वाली कमियों को दूर करना होगा तभी हम सफल हो सकते हैं। समय प्रबंधन को ऊर्जा प्रबंधन भी कह सकते हैं। हमारी कार्यक्षमता बढ़ती है। इसके माध्यम से हम सत्य तक पहुंच सकते हैं। लक्ष्य का निर्धारण करते समय उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए। हमें लंबे समय और छोटे समय के लिए योजना बनाने की जरूरत है। मनुष्य के कार्यों का टाल मटोल करना असफलता का मुख्य कारण है। हमें अपने कार्यों को करते समय का टालमटोल करने से बचना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार लाल, डॉ. सतीश कुमार वर्मा आदि मौजूद थे।

सरिया कॉलेज में समय प्रबंधन पर वेबिनार

सरिया। गविवार को सरिया कॉलेज सरिया के बाणिज्य विभाग एवं आइट्यूएसी के संयुक्त सत्याग्रह में समय प्रबंधन विषय पर एक राष्ट्र स्तरीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राजी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. (प्रौ.) अमर कुमार चौधरी ने कहा की हमारे जीवन का मूल मंत्र समय का सही प्रबंधन का होना चाहिए। लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समय का प्रबंधन करना आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले उद्देश्य का निर्धारण करना होगा तत्पश्चात इसके लिए योजना बनानी होती है और अत में इस कार्य में आनेवाली कमियों को दूर करना होगा तभी हम सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय प्रबंधन को कर्जा प्रबंधन भी कह सकते हैं।



राष्ट्रीय बेविनार में समय प्रबंधन पर मंत्रणा

सत्रिया. रविवार को सरिया कॉलेज के वाणिज्य विभाग एवं आइक्यूएसी ने संयुक्त रूप से समय प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय स्तरीय बेविनार का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के रूप में रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ (प्रो) अमर कुमार चौधरी थे। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का मुख्य मंत्र समय का सही प्रबंधन का होना चाहिए। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समय का प्रबंधन करना आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले उद्देश्य का निर्धारण व उसके बाद योजना बनानी होगी। अंत में कार्यों में आने वाले कमियों को दूर करना होगा, तभी हम सफल हो सकते हैं। समय प्रबंधन को ऊर्जा प्रबंधन भी कह सकते हैं। क्योंकि इससे हमारी कार्यक्षमता बढ़ती है। समय प्रबंधन के माध्यम से हम सत्य तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का निर्धारण करते समय उद्देश्य स्पष्ट होने चाहिए। हमें अपना कार्य समय पर करने में टालमटोल करने से बचना चाहिए। समय का सदुपयोग जरूरी है। बेविनार का संचालन प्रभारी प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल व धन्यवाद ज्ञापन डॉ सतीश कुमार वर्मा ने किया। बेविनार में प्रो अरुण कुमार, प्रमोद कुमार, कार्तिक यादव, डॉ सोमेन बनर्जी, डॉ मनोज कुमार, डॉ ममता त्रिवेदी, डॉ शंभू प्रसाद, प्रो आकाश, हरीश खंडेलवाल, दुरेश्ती वेणुगोपाल, रंजीता कुमार, बालचंद्र मदीवाल, एहसान आलम, रूपा पराशर, नागेंद्र पासवान समेत झारखंड, बिहार, पंजाब, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात आदि राज्यों से कई प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर एवं छात्र जुड़े हुए थे।

समय प्रबंधन विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

देश के कई राज्यों से प्रोफेसर, स्कॉलर जुड़े

मरुता न्यूज़ | लॉरिया

रविवार को सरिया कॉलेज सरिया के वाणिज्य विभाग एवं आश्वक्षुणसी के संयुक्त तत्वाधान में समय प्रबंधन विषय पर एक राष्ट्रीय स्तरीय वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य कमता के रूप में दोचि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ (प्रो.) अमर कुमार चौधरी ने भाग लिये। इस दौरान उन्होंने कहा की हमारे जीवन का मुख्य भंत्र समय का सही प्रबंधन का होना चाहिए।

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समय का प्रबंधन करना आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले उद्देश्य का निर्धारण करना होगा तत्परतात् इसके लिए योजना बनानी होगी और अत में इस कार्यों में आमे बहले

कर्मियों को दूर करना होगा तभी हम सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय प्रबंधन को ऊर्जा प्रबंधन भी कह सकते हैं क्योंकि इसमें हमारी कठिनीमता बढ़ती है। समय प्रबंधन के माध्यम से हम सत्य तक पहुँच सकते हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का निर्धारण करते समय उद्देश्य स्पष्ट होने चाहिए। इसके लिए हमें सबे समय और छोटे समय के लिए योजना बनाने की ज़रूरत होगी। मनुष्य के द्वारा कार्यों का टाल-मटोल करना असफलता का मुख्य कारण है। हमें अपने कार्यों को करने के समय टाल-मटोल करने से बचना चाहिए। समय का सदृप्योग करना चाहिए। ऑनलाइन वेबीनार कार्यक्रम का संचालन प्रभाग प्रचार डॉ संतोष कुमार लाल तथा धन्यवाद जामन डॉ मलीश बग्नो ने की।

સમય પ્રબંધન પર સરિયા કોલેજ મેં બેબીનાર કા આયોજન

સરિયા @જારખંડ પ્રહરી

આઇક્યૂએસી કે સંયુક્ત કા આયોજન કિયા ગયા। કુલસચિવ લો (પ્રો.) અમર જીવન કા મુખ્ય મંત્ર સમય પ્રબંધન કરના આવશ્યક હૈ। તત્પ્રશ્નાત ઇસકે લિએ યોજના



રવિવાર કો સરિયા કોલેજ સરિયા કે વાળિજ્ય વિભાગ એવું રત્તાચાન મેં સમય પ્રબંધન વિષય પર એક રાષ્ટ્રીય સ્તરીય વેબીનાર જિસમે મુખ્ય વક્તા કે રૂપ મેં રોકી વિશ્વવિદ્યાલય કે પૂર્વ કુમાર ચૌથરી ને ભાગ લિયે। ઇસ દૌરાન ઉન્હોને કહા કી હમારે કા સહી પ્રબંધન કા હોના ચાહિએ। લક્ષ્ય કી પ્રાપ્તિ હેતુ સમય કા ઇસકે લિએ સબસે પહોંચે ઉદ્દેશ્ય કા નિર્ધારણ કરના હોગા બનાની હોગી ઔર અંત મેં ઇસ કાર્યો મેં આને વાલે કમિયો કો દૂર કરના હોગા તભી હમ સફળ હો સકતે હોએ। ઉન્હોને કહા કી સમય પ્રબંધન કો ઊર્જા પ્રબંધન ભી કહ સકતે હોએ ક્યારેકિ ઇસસે હમારી કાર્યક્રમતા બદ્દતી હૈ। સમય પ્રબંધન કે માધ્યમ સે હમ સત્ય તક પહુંચ સકતે હોએ। ઉન્હોને કહા કી લક્ષ્ય કા નિર્ધારણ કરતે સમય ઉદ્દેશ્ય સ્પષ્ટ હોને ચાહિએ। ઇસકે લિએ હમેં લંબે સમય ઔર છોટે સમય કે લિએ યોજના બનાને કી જરૂરત હોગી। મનુષ્ય કે દ્વારા કાર્યો કા ટાલ મટોલ કરના અસફળતા કા મુખ્ય કારણ હૈ। હમેં અધને કાર્યો કો કરને કે સમય ટાલમટોલ કરને સે બચના ચાહિએ। સમય કા સદુપયોગ કરના ચાહિએ। ઓનલાઇન વેબીનાર કાર્યક્રમ કા સંચાલન પ્રભારી પ્રાચાર્ય ડૉ સંતોષ કુમાર લાલ તથા ધન્યવાદ જાપન ડૉ સતીશ કુમાર વર્માને કી। ઇસ કાર્યક્રમ મેં પ્રો અરુણ કુમાર, પ્રમોદ કુમાર, કાર્તિક યાદવ, ડૉ સૌમેન બન્દી, ડૉ મનોજ કુમાર, ડૉ મમતા ત્રિવેદી, ડૉ શાંભુ પ્રસાદ, પ્રો આકાશ, હરીશ ખંડેલવાલ, દુરેશ્ટી વેણુગોપાલ, રંજીતા કુમાર એ, બાલચંદ્ર મદીવાલ, એહસાન આલમ, રૂપા પરાશર, નાગેંદ્ર પાસવાન સમેત ઝારખંડ, બિહાર, બંગાલ, પંજાਬ, પઞ્ચિમ બંગાલ, છત્તીસગઢ, તમિલનાડુ, મધ્ય પ્રદેશ કર્નાટક, ગુજરાત આદિ રાજ્યો સે કર્દી પ્રોફેસર, રિસર્ચ સ્કોલર એવં ચાત્ર છાત્રાં જુડે હુએ થે।